पाठ–4
अभ्यास

1. महात्मा गाँधी कहाँ से लौट कर सारे देश में भ्रमण करते रहे?

   (क) अमेरिका　　(ख) इंग्लैंड

   (ग) दक्षिण अफ्रीका　　(घ) आस्ट्रेलिया

2. यह कौन सा मौका था जब एक निरा देहाती कियान कांग्रेस के मंच से किसी प्रस्ताव पर बोला हो?

   (क) दूसरा　　(ख) पहला

   (ग) चौथा　　(घ) तीसरा

3. मोतिहारी किस जिले का सदर शहर था?

   (क) गोपालगंज　　(ख) सारण

   (ग) सिवान　　(घ) चम्पारण

4. ''और इस काम को ऐसे ही छोड़ देंगे?''—यह प्रश्न किसने किया?

   (क) बाबू ब्रजकिशोर　　(ख) धरनीधर बाबू ने

   (ग) महात्मा गाँधी ने　　(घ) राजेन्द्र प्रसाद ने

5. 1916 का कांग्रेस अधिवेशन कहाँ हुआ था?

   (क) इलाहाबाद　　(ख) पटना

   (ग) लखनऊ　　(घ) कलकत्ता

6. महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से कब लौटे थे?

   (क) 1912　　(ख) 1915

   (ग) 1916　　(घ) 1917

7. चम्पारण के किसानों का विशेष परिचय किन से था?

   (क) राजेन्द्र प्रसाद　　(ख) महात्मा गाँधी

   (ग) बाबू ब्रजकिशोर　　(घ) धरनीधर बाबू

8. लखनऊ–कांग्रेस के बाद गाँधीजी कहाँ गए?

   (क) पटना　　(ख) गोरखपुर

   (ग) कलकत्ता　　(घ) कानपुर

9. राजेन्द्र बाबू ने गाँधीजी से आगे बढ़कर जान पहचान नहीं करना चाहा क्योंकि

   (क) वे एक घमंडी व्यक्ति थे।　　(ख) गाँधीजी को पहचानते नहीं थे।

   (ग) इसमें उनकी कोई दिलचस्पी नहीं थी।　　(घ) वे अंतर्मुखी स्वभाव के थे।

10. कमिटी में किसने बहुत जोर दिया कि गाँधीजी कांग्रेस– मंत्री हो जायें?

    (क) पंडित जवाहरलाल नेहरू　　(ख) श्री अम्बिकाचरण मजुमदार

(ग) एनी बेसेन्ट (घ) लोकमान्य तिलक

11. पटना लौटकर गाँधीजी कहाँ ठहरने वाले थे?

(क) बाबू ब्रजकिशोर के घर पर (ख) मजहरूल हक साहब के घर पर

(ग) राजेन्द्र प्रसाद के घर पर (घ) किसी अतिथिशाला में

12. गाँधीजी का इरादा था।

(क) रैयतों का दुख उन्हीं के मुँह से सुनें। (ख) वहाँ जाकर अंग्रेजों पर मुकदमा कर दें।

(ग) वहाँ के प्रतिष्ठित लोगों से मिलें। (घ) कलक्टर से मिलकर स्थिति की जानकारी लें।

13. राजेन्द्र बाबू कहाँ से पटना लौटे थे?

(क) वाराणसी (ख) जगन्नाथपुरी

(ग) वैद्यनाथ धाम (घ) बद्रीनाथ

14. गाँधीजी से राजेन्द्र प्रसाद का सम्पर्क किस माध्यम से हुआ?

(क) टेलीफोन (ख) तार

(ग) पत्र (घ) वार्त्तालाप

15. मुकदमा कितने दिनों के लिए मुलतवी करें।

(क) 4–5 (ख) 2–3

(ग) 3–4 (घ) 5–6

16. 'चम्पारण में महात्मा गाँधी' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(क) मिस्टर पोलक (ख) राजेन्द्र प्रसाद

(ग) अनुग्रहनारायण (घ) बाबू ब्रजकिशोर

17. दुभाषिये का काम करने के लिए कौन–कौन आये थे?

(क) बाबू धरनीधर और बाबू रामनौमी (ख) मिस्टर पोलक और मजहरूल हक साहब

(ग) बाबू ब्रजकिशोर और राजेन्द्र प्रसाद (घ) रामचन्द्र शुक्ल और बाबू गोरख प्रसाद

18. गाँधीजी के यह प्रश्न करने पर कि मेरे कैद हो जाने पर आप लोग क्या करेंगे, धरनीधर बाबू ने क्या उत्तर दिया?

(क) वह जाँच का काम जारी रखेंगे। (ख) स्वयं वह भी जेल चले जायेगें।

(ग) सरकार पर मुकदमा कर देंगे। (घ) अपने–अपने घर चले जायेगें।

19. आन्दोलन को जारी रखा जायेगा यह सुनकर गाँधी पर क्या प्रतिक्रिया हुई?

(क) वे चिन्तित हो गए। (ख) संतुष्ट हुए।

(ग) भविष्य की योजना तैयार करने लगे। (घ) संतोष हुआ पर पूरा नहीं।

20. 'अब मामला फतह हो जायेगा' – यह वाक्य किसने कहा?

(क) राजेन्द्र प्रसाद (ख) महात्मा गाँधी

(ग) मजहरूल हक साहब (घ) मिस्टर पोलक

21. जेल जाने के लिए बनाई गई टोलियों में बाबू ब्रजकिशोर किस टोली के सरदार बनाए गए?

(क) दूसरी (ख) तीसरी

(ग) पहली (घ) चौथी

22. राजेन्द्र प्रसाद तथा अन्य लोगों के कितने बयान लिखें?

(क) पाँच हजार (ख) दस–बारह हजार

(ग) बीस–पच्चीस हजार (घ) दो सौ

23. गाँधी ने कौन सी रचना लिखी?

(क) महाकाव्य (ख) उपन्यास

(ग) आत्मकथा (घ) काव्य–संग्रह

24. लखनऊ में कांग्रेस का अधिवेशन कब हुआ था? उस अधिवेशन में कौन–कौन उपस्थित थे?

25. अधिवेशन में बिहार के कौन से प्रतिनिधि उपस्थित थे? वे कौन सा प्रस्ताव पास कराना चाहते थे ?

26. राजेन्द्र बाबू महात्मा गाँधी के विषय में क्या जानते थे? गाँधीजी से उनकी भेंट कब हुई?

27. राजकुमार शुक्ल कौन थे? वे गाँधीजी को चम्पारण क्यों ले जाना चाहते थे?

28. गाँधीजी ने चम्पारण पहुँचकर क्या किया? उनके जेल जाने की बात सुनकर बाबू धरनीधर ने क्या उत्तर दिया?

29. बिहार के सभी प्रतिनिधि बारी–बारी से जेल जाने को क्यों तैयार हो गये?

30. चम्पारण आन्दोलन का परिणाम क्या हुआ? आन्दोलन समाप्त होने तक राजेन्द्र बाबू के मन पर गाँधीजी का कैसा प्रभाव पड़ा?

31. नीचे दिये गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दें:–

भारत–वापसी की यात्रा के दौरान, गाँधीजी ने दो भारतीय भाषाओं तमिल और उर्दू का अध्ययन किया, जो वे समझते थे कि उन्हें आनी चाहिए। और दोनों ही उन्होंने अंग्रेज अधिकारियों से या उनकी मदद से सीखीं। उनके सम्पर्क में आते ही अंग्रेज उनको सहज ही पसन्द करते, हर काम में उनकी मदद करते। वे भी उनकी भावनाओं का आदर करते और ईमानदारी से कहा जा सकता है कि अपने सम्पूर्ण कार्यकाल में अंग्रेजों को गाँधीजी से ईमानदार और प्यारा विद्रोही देखने को नहीं मिला था। तमिल तो वे पूरी तरह नहीं सीख पाये, लेकिन इतना तो हो गया था कि वे बड़ी आसानी से उसे पढ़ सकते थे। उर्दू में कठिनाई कम हुई, लेकिन इसे वे कभी भी सही ढंग से नहीं सीख पाए, हालांकि बाद में जेल में उन्हें सीखने के ढेरों मौके भी मिले थे।

(क) गाँधीजी ने भारत वापसी यात्रा के दौरान किन दो भारतीय भाषाओं का अध्ययन किया?

(ख) दोनों भारतीय भाषाएँ सीखने में उन्हें किससे मदद मिली?

(ग) अंग्रेज गाँधीजी की भावनाओं का आदर क्यों करते थे?

(घ) किस भाषा को उन्होंने आसानी से सीख लिया था?

(ड.) वह कौन सी भाषा थी जिसे वह सही ढंग से न सीख पाये?